

इकफर्डि कि कि मास्खंड व सीआइआइ ने 'उद्योग-स्कैडमिया कनेक्ट' का आयोजन किया

राँची, फरवरी 06, 2013

आज, इकफर्डि कि कि मास्खंड ने सीआइआइ के साथ मिलकर उद्योग और स्कैडमिया जगत के बीच संबंध मजबूत करने के लिए 'उद्योग-स्कैडमिया कनेक्ट' कार्यक्रम का आयोजन किया। आइआईएम राँची, अभिजीत ग्रुप, मूषण पावर व स्टील, आइसीआइसीआइ बैंक, एचडीएफसी बैंक, रिलांस रिटेल, वीडाफोन, कारक्राफ्ट, एयरटेल, एचसीएल, जिंदल स्टील, एलबीई, एच पावर, मैकॉन, एच एआइजी, अल्ट्राटेक सीमेंट, कॅपिटल ग्रुप आदि जैसे प्रतिष्ठित संस्थाओं से वरिष्ठ पदाधिकारी व शिक्षाविदों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए प्रो. ओ. आर. एस. राव ने उद्योग व स्कैडमिया के बीच नजदीकी सामंजस्य की अनिवार्यता का उल्लेख करते हुए कहा कि यह दोनों पक्षों के लिए लाभकारी है। "उद्योग जगत अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाता है जबकि शिक्षाजगत उद्योग को टायलेंट रूपी ईंधन प्रदान करती है। दोनों की सामंजस्य इस ईंधन की गुणवत्ता बढ़ाने में मदद करेगी", प्रो. राव ने आगे कहा। "अभी, इकफर्डि कि कि मास्खंड छात्रों में प्रत्यक्ष इंटर डालने के लिए उद्योगजगत के साथ नजदीकी होकर काम कर रही है। शिक्षा की निरंतरता बनाये रखने के लिए कि कि ने पार्ट-टाइम पीएचडी इन मैनेजमेंट की शुश्रूषा की है जिसमें 70% शोधकर्ता उद्योगजगत से हैं और वो उद्योग-संबंधित विषय पर शोध कर रहे हैं। कि कि अभी 2013 के सत्र में कार्यरत पेशेवरों के लिए द्विबर्षीय समकीर पाठ्यक्रम लाने जा रही है जिसकी कक्षाएँ शाम में करायी जायेंगी", प्रो. राव ने उल्लेख किया।

शिक्षाजगत के परिपेक्ष्य में इस संबंध पर बोलते हुए प्रो. एम. जे. विथर, निदेशक, आइआईएम राँची ने कहा कि उद्योग व शिक्षण संस्थान इस बंधन के दो स्तंभ हैं जिसको सरकारी तंत्र अपने कौशलता से आपसी लाभ के लिए आगे बढ़ा रही है। उन्होंने उन क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों पक्ष सामुहिक रूप से काम कर सकते हैं कहा कि "उन्हें उस मांडल पर काम करना चाहिए जिस पर दोनों पक्षों का लाभ है और जो अर्थव्यवस्था व समाज के लिए उपयोगी हो" प्रो. जे. विथर ने कहा।

अपने संबोधन में, डॉ. डी. एन. ओम्का, निदेशक, उच्च शिक्षा, मास्खंड सरकार ने उल्लेख किया कि सरकार इस संबंध को प्रगाढ़ बनाने में खुशी महसूस करेगी क्योंकि यह अंततः पूरे राज्य की लाभान्वित करेगी। उद्योगिक दृष्टिकोण को सर्वोत्तम रूप से समझने, सीआइआइ मास्खंड व वाइस चैयरमैन व एम. डी. आर. एस. की ट्रान्समिशन (IC) लि., ने कहा कि इस संबंध को आगे बढ़ाने के लिए सी आइ आई द्वारा किए गये कार्यों के बारे में उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि उद्योग-स्कैडमिया शोध संबंध एक बहुत उपयोगी तरीका है जो कि कौशलता की ऑफ निश्चय पैदा करेगा।

श्री. धीरेन्द्र कुमार, आइएफएस, एंजलिंग, उद्योग विभाग, मास्खंड सरकार व एम. डी. कारक्राफ्ट ने अपने उद्घाटन भाषण में कारक्राफ्ट के कर्मियों की जानकारी दी और कहा कि शिक्षा जगत व उद्योग के बीच के काम अभी दिखने लगे हैं। लेकिन उन्होंने आगे कहा कि इन्हें और आगे बढ़ाकर काम करना होगा। जिससे कि कौशलता की खाँड़ी को पाया जा सके और छात्र पहले दिन से ही कार्य-कुशल रहें" श्री. कुमार ने कहा।

